विशेष कविता (Special Hindi Poem)

Source: www.brahma-kumaris.com (Main Website) | www.bkgoogle.com (BK Google)

- **पवित्रता का श्रृंगार जीवन में लाए बहार**

तन मन्दिर के ऊंच सिंहासन पर मैं विराजमान,
मैं हूँ चमकती हुई आत्मा शुद्ध मणी के समान

मेरे गुण स्वधर्म की याद ज्ञान सागर ने दिलाई,
उसी गुणों के सागर से मिलने उड़कर मैं आई

मेरे मीठे फूल बच्चे कहकर उसने मुझे बुलाया,
शुभ शिक्षाओं के झूले में प्यार से मुझे झूलाया

चुनरी ओढ़ी पवित्रता की श्रेष्ठ भाग्य मैंने पाया,
सच्ची सुहागन आत्मा परमात्मा ने मुझे बनाया

सद्गुणों का श्रृंगार कर उसने मुझको महकाया,
मेरा ये जीवन पवित्रता के कमल जैसा बनाया

पवित्रता से बनी ईश्वर के दिलतख्त का श्रृंगार,
खुद की पवित्रता पर ही आया है मुझको प्यार

पवित्रता की विशेषता को सच्चाई से अपनाया,
पवित्र स्वरूप और स्वधर्म को यादों में सजाया

पवित्रता के बल से रूहानी सुन्दरता को पाया,
इसी गुण ने मुझे सफलता का शिखर दिलाया

*ॐ शांति।

by: BK Mukesh bhai - bkmukesh1973@gmail.com

For More Poems, visit – www.bkofficial.com/poems-hindi

OR scan this QR code with your phone camera ->